राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शनिवार • 13 मई • 2023

'नैनो उर्वरकों के प्रयोग से मिलेगा कम लागत में अधिक मुनाफा'

ुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर द कृषि एवं प्रौद्योगिकी वेद्यालय के कृषि अधिष्ठाता । कक्ष में फर्टिलाइजर एसो. नॉर्दन रीजन एवं सीएसए के । तत्वावधान में एक दिवसीय ाइजर ओरिएंटेशन कार्यक्रम फलतापूर्वक आयोजन किया जेसमें विशेषज्ञों ने नैनो उर्वरक गता पर जानकारी दी। उन्होंने कि उर्वरकों का वैज्ञानिक का प्रयोग न करने से प्राकृतिक नों का ह्रास होता है तथा मृदा, एवं वायु प्रदूषित होते है। यदि किसान र्वरकों का उपयोग करते है तो निश्चित र कम लागत में अधिक मुनाफा ।।

सीएसए यूनिवर्सिटी में किया गया फर्टिलाइजर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन।

सीएसए में फर्टिलाइजर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का किया आयोजन

तिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर म का शुभारंभ किया। तत्पश्चात विश्वविद्यालय के कुलसचिव ह उपाध्याय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। फर्टिलाइजर ऑफ इंडिया नई दिल्ली के निदेशक डॉ. डीएस यादव ने अपने ान में वताया कि नाइट्रोजन उपयोग क्षमता धान एवं गेहूं में 30 से तेशत है। उन्होंने भारत में उर्वरक परिदृश्य विषय पर विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में जोसेफ कक्कड़ ने कार्वनिक एवं अकार्वनिक पोषकतत्व के स्रोत पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उर्वरक विपणन के विभिन्न पहलुओं एवं राष्ट्रीय स्तर पर दी जा रही उर्वरक सब्सिडी के वारे में वताया। आरके नायक ने उर्वरक उपयोग क्षमता वढ़ाए जाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, जिससे कृषकों को कम उर्वरक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ केएन तिवारी ने नैनो उर्वरक उपयोगिता पर जानकारी दी और वताया कि उर्वरकों का वैज्ञानिक विधि से प्रयोग न करने से प्राकृतिक संसाधनों का ह्रास होता है तथा मृदा,जल एवं वायु प्रदूषित होते है। उन्होंने कहा कि यदि किसान नैनो उर्वरकों का उपयोग करते है तो निश्चित तौर पर किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा मिलेगा। अंत में हरेंद्र कौशिक ने अतिथियों को धन्यवाद दिया। यहां डॉ.सीएल मौर्य, डॉ.अरविंद चौधरी, डॉ.कौशल कुमार, अनिल पाठक, विवेक कुमार, वीके यादव, डॉ.सर्वेश कुमार, डॉ.रामजी गुप्ता एवं अन्य संकाय सदस्यों सहित छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

फर्टिलाइजर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के कृषि अधिष्ठाता संकाय कक्ष में फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ नॉर्दन रीजन एवं सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय फर्टिलाइजर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया नई दिल्ली के निदेशक डॉ डी एस यादव ने अपने व्याख्यान में बताया कि नाइट्रोजन उपयोग क्षमता धान एवं गेहूं में 30 से 40 प्रतिशत है। उन्होंने भारत में उर्वरक परिदृश्य विषय पर विस्तार से जानकारी दी है। कार्यक्रम में श्री जोसेफ कक्कड़ ने कार्बनिक एवं अकार्बनिक पोषक तत्व के स्रोत पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उर्वरक विपणन के विभिन्न पहलुओं एवं राष्ट्रीय स्तर पर दी जा रही उर्वरक सब्सिडी विषय पर जानकारी दी। श्री आर के नायक ने उर्वरक उपयोग क्षमता बढ़ाए जाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। जिससे कृषकों को कम उर्वरक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ केएन तिवारी ने नैनो उर्वरक उपयोगिता विषय पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उर्वरकों का वैज्ञानिक विधि से प्रयोग न करने से प्राकृतिक संसाधनों का ह्रास होता है। तथा मृदा,जल एवं वायु प्रदूषित होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसान नैनो उर्वरकों का उपयोग करते हैं तो निश्चित तौर पर किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा मिलेगा। अंत में हरेंद्र कौशिक ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया इस अवसर पर डॉ सी एल मौर्य,डॉ अरविंद चौधरी,डॉक्टर कौशल कुमार,अनिल पाठक,विवेक कुमार, बीके यादव, डॉ सर्वेश कुमार,डॉ रामजी गुप्ता, एवं अन्य संकाय सदस्यों सहित छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

उत्तराखंड,मध्य-प्रदेश,उत्तर-प्रदेश,राजस्थान,बिहार,महाराष्ट्र,गुजरात,संघ प्रदेश,से एक साथ प्रसारित

RNI NO - UTTHIN/2018/76731

हिन्दी दैनिक

गांव देहात की खबर,शहर पर भी नजर

दि ग्राम टुडे

सूर्योदय: 05:10 बजे

सूर्यास्त: 06:24 बजे

शनिवार , 13 मई 2023

वर्ष: 05 अंक: 280

पेज: 08, मूल्य: 2 रूपये

Email : thegramtodayeditor@gmail.com

छात्र छात्राओं हेतु फर्टिलाइजर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का हुआ सफल आयोजन

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

(रितेश शर्मा)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के कृषि अधिष्ठाता संकाय कक्ष में फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ नॉर्दन रीजन एवं सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय फर्टिलाइजर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया नई दिल्ली के निदेशक डॉ डी एस यादव ने अपने व्याख्यान में बताया कि

नाइट्रोजन उपयोग क्षमता धान एवं गेहूं में 30 से 40% है।उन्होंने भारत में उर्वरक परिदृश्य विषय पर विस्तार से जानकारी दी है। कार्यक्रम में श्री जोसेफ कक्कड़ ने कार्बनिक एवं अकार्बनिक पोषक तत्व के स्रोत पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उर्वरक विपणन के विभिन्न पहलुओं एवं राष्ट्रीय स्तर पर दी जा रही उर्वरक सब्सिडी विषय पर जानकारी दी। श्री आर के नायक ने उर्वरक उपयोग क्षमता बढ़ाए जाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। जिससे कृषकों को कम उर्वरक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ केएन तिवारी ने नैनो उर्वरक उपयोगिता विषय पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उर्वरकों का वैज्ञानिक विधि से प्रयोग न करने से प्राकृतिक संसाधनों का ह्रास होता है। तथा मृदा,जल एवं वायु प्रदूषित होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसान नैनो उर्वरकों का उपयोग करते हैं तो निश्चित तौर पर किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा मिलेगा। अंत में हरेंद्र कौशिक ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया।इस अवसर पर डॉ सी एल मौर्य,डॉ अरविंद चौधरी,डॉक्टर कौशल कुमार,अनिल पाठक,विवेक कुमार, बीके यादव, डॉ सर्वेश कुमार,डॉ रामजी गुप्ता, एवं अन्य संकाय सदस्यों सहित छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्तर पर दी जा रही उर्वरक सब्सिडी के विषय में किसानों को दी जानकारी

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि अधिष्ठाता संकाय कक्ष में फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ नॉर्दन रीजन एवं सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में बीते दिन शुक्रवार को एक दिवसीय फ़र्टिलाइज़र ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया नई दिल्ली के निदेशक डॉ. डी. एस. यादव ने कहा कि धान एवं गेहूं में नाइट्रोजन उपयोग क्षमता 30 से 40 फीसदी है। जोसेफ कक्कड़ ने कार्बनिक एवं अकार्बनिक पोषक तत्व के स्रोत के साथ उर्वरक विपणन के विभिन्न पहलुओं एवं राष्ट्रीय स्तर पर दी जा रही उर्वरक सब्सिडी के विषय पर जानकारी दी। आर.के.नायक ने उर्वरक उपयोग क्षमता बढ़ाए जाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। जिससे कृषकों को कम उर्वरक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके। पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. के. एन. तिवारी ने नैनो उर्वरक उपयोगिता विषय पर जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. सी. एल. मौर्य, डॉ. अरविंद चौधरी, डॉ. कौशल कुमार, अनिल पाठक, विवेक कुमार, बी.के. यादव, डॉ. सर्वेश कुमार, डॉ.रामजी गुप्ता एवं अन्य संकाय सदस्यों सहित छात्र एवं छात्राएं मौजूद रहे।